Department of Economics

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

(a constitueant unit of B.R.A. University, Muzaffarpur (Bihar)

NAAC Accredited 'B+'

Topic : फर्म की धारणा : अर्थ एवं परिभाषा (CONCEPT OF THE FIRM: MEANING AND DEFINITION)

BA Economics Part I MJC/MIC/MDC (Semester I)

Instructor

Dr. Ram Prawesh

Guest Faculty (Department of Economics)

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

Unit III - The Firm and Market Structure:

फर्म की धारणा : अर्थ एवं परिभाषा (CONCEPT OF THE FIRM: MEANING AND DEFINITION)

पिछले अध्याय में हम देख चुके हैं कि प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र का दूसरा नाम फर्म का अर्थशास्त्र है जिसके अन्तर्गत उन आर्थिक सिद्धान्तों एवं विश्लेषण उपकरणों का अध्ययन किया जाता है जो एक फर्म की निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायक होते हैं। एक व्यक्तिगत इकाई, जो किसी वस्तु का उत्पादन या विक्रय करती है, को फर्म कहते हैं। **हैंडरसन** के अनुसार, "एक फर्म वह तकनीकी इकाई है जहाँ वस्तुएँ उत्पादित की जाती है।" इसके विपरीत, **रेयान** का मत है कि "वस्तुओं और सेवाओं का विक्रय करने वाली आर्थिक इकाई को फर्म कहते हैं।"

फर्म की उपर्युक्त दोनों परिभाषाएँ एकांगी एवं अपूर्ण हैं क्योंकि प्रत्येक इकाई तकनीकी एवं आर्थिक होती है और दोनों विशेषताओं को अलग नहीं किया जा सकता। दोनों को संयुक्त रूप से व्यक्त करने पर ही फर्म की धारणा स्पष्ट होती है।

प्रो. वाटसन के अनुसार, "फर्म वह इकाई है जो लाभ प्राप्त करने की दृष्टि से बिक्री के लिए उत्पादन करती है, इसका उद्देश्य लाभ को अधिकतम करना होता है।""

निकलसन के शब्दों में, "एक लाभ अधिकतम करने वाली फर्म अपने आगतों तथा उत्पादों का चुनाव अधिकतम लाभ प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य से करती है। फर्म कुल आय तथा कुल आर्थिक लागत के अन्तर को इतना अधिक करने का प्रयत्न करती है जितना सम्भव हो सकता है।"

संक्षेप में, व्यावसायिक फर्म से अभिप्राय उस इकाई से है जो वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन अथवा विक्रय करता है। फर्म, एक एकल स्वामित्व संगठन, सांझेदारी या निगम हो सकती है। एक व्यावसायिक फर्म के उद्देश्य के सम्बन्ध में अर्थशास्त्रियों में मतभेद पाया जाता है।

फर्म की विशेषताएं (Characteristics of farm)

1. स्वरूप (Form) -
2. आकार (Size) -
3. क्रय (Purchases)-
4. प्रावैगिक (Dynamic) -

फर्म के उद्देश्य (OBJECTIVES OF FIRM)

फर्म के उद्देश्य से आशय उस लक्ष्य से है जिसे प्राप्त करने के लिए फर्म प्रयत्नशील रहती है। जैसाकि प्रारम्भ में लिखा गया है कि किसी भी व्यावसायिक समस्या को हल करने के लिए एक से अधिक मार्ग होते हैं जिन्हें वैकल्पिक निर्णय कहा जाता है। फर्म अपने स्वीकृत उद्देश्य के अनुसार ही निर्णय विकल्प का चुनाव करती है। फर्म का केवल एक ही उद्देश्य हो सकता है या ऐसे एक से अधिक भी हो सकते हैं जो एक-दूसरे के पूरक हों। उदाहरण के लिए, कुल लाभ को अधिकतम करना और प्रति इकाई लागत को न्यूनतम करना दोनों उद्देश्य एक-दूसरे के पूरक हैं।
सामान्यतया फर्मों द्वारा निर्धारित किये जाने वाले प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार होते हैं-

1. अधिकतम कुल लाभ (Maximum Total Profit)-
2. अधिकतम कुल विक्रय (Maximum Total Sales) -
3. न्यूनतम लागत (Minimum Cost) -
4. वित्तीय सुदृढ़ता (Financial Soundness) -
5. दीर्घकालीन अस्तित्व (Long-term Survival)-
6. आर्थिक आत्मनिर्भरता (Economic Self-sufficiency) -
7. व्यावसायिक साम्राज्य (Business Empire) -